युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

मामले में तीसरा आरोपी अभी भी फरार चल रहा है, घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया

राजसमंद, (निसं)। जिले की दिवेर थाना पुलिस ने 31 अक्टूबर को पुरानी रंजिश के मामले में मोटरसाइकिल सवार युवक को रोककर जानलेवा हमला करने के तीन आरोपियों में से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तीसरा आरोपी अभी भी फरार चल रहा है। घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया। जिसको न्यायालय में पेश किया।

थानाधिकारी भवानी शंकर ने बताया 31 अक्टूबर को प्रार्थी मूलसिंह (22) पुत्र लक्ष्मणसिंह रावत निवासी वजातो की गवार छापली ने रिपोर्ट पेश कि कि 30 अक्टूबर को मैं मोटरसाइकिल लेकर घर से कामलीघाट जा रहा था। शाम को करीब 7.30 बजे खिमाखेड़ा से बड़ी हथाई जा रहा था कि हैंडपम्प के पास सुरेन्द्रसिंह पुत्र जीवनसिंह रावत निवासी खिमाखेड़ा, सुनीलसिंह पुत्र अजमाल सिंह रावत निवासी नयागाव व एक अन्य ने मेरी मोटरसाइकिल को रोकने का इशारा किया पर मैंने उन तीनों को देखकर मोटरसाइकिल लेकर वहां से निकल जाना चाहा। इन लोगों ने चाकू व लात-मुक्कों, पत्थरों से जानलेवा हमला कर दिया। जिससे मुझे काफी गम्भीर चोटें आई हैं। मेरे को अस्पताल ले जाया गया। जहां से मुझे राजसमन्द रेफर कर दिया, जहां पर मेरा इलाज चल रहा है। रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

दिवेर थाना पुलिस ने युवक पर जानलेवा हमला करने के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

एसपी मनीष त्रिपाठी एवं एएसपी महेन्द्र पारीक तथा डीएसपी भीम पारस चौधरी के निकटतम सुपरविजन में मुलजिमान की गिरफ्तारी के लिए 2 टीमों का गठन कर तलाश की गई। मगर आरोपी फरार चल रहे थे। घटना के बाद आरोपियों का जंगलों मे भाग जाना बताया गया। घटना के आरोपी सुरेन्द्रसिंह व सुनीलसिंह दोनों बाहर भागने की फिराक में थे, जिस पर टीमों ने दोनों की तलाश कर डिटेन किया। जिनसे घटना के सम्बंध मे पूछताछ की गई तो आरोपियों ने बताया कि मलसिंह व उसके भाइयों ने पूर्व में हमारे साथ मारपीट की थी। उसी का बदला लेने के लिए घटना की। जिस पर आरोपी सुरेन्द्रसिंह (19) निवासी खीमाखेडा व सुनीलसिंह (20) निवासी नयागांव खीमाखेड़ा को गिरफ्तार किया गया, जिनसे घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया। आरोपियों के विरुद्ध पूर्व में भी प्रकरण दर्ज है।

- **घटना के आरोपी सुरेन्द्रसिंह व सुनीलसिंह दोनों बाहर भागने की फिराक में थे**

बीकानेर में तीन जनों ने मौत को गले लगाया

बीकानेर, (निसं)। जिले में आत्महत्या रोकने के प्रयास लगभग असफल से प्रतीत हो रहे हैं। हालांकि पुलिस, स्वयंसेवी संस्थाएं अपने स्तर पर आत्महत्या रोकथाम के लिये भरसक जतन कर रही है। उसके बाद भी उनके ये प्रयास नाकाम साबित हो रही है। पिछले तीन दिनों में आत्महत्या के लगभग चार मामले सामने आए हैं। शहर के गंगाशहर व कोटगेट थाना इलाके में दो जनों ने मौत को गले लगाया तो श्रीडूंगरगढ़ थाना क्षेत्र में एक जने ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला को समाप्त कर लिया है।

जानकारी मिली है कि पवनपुरी कॉलोनी में रहने वाले 48 वर्षीय संजीव कुमार मेहता ने चौखूंटी फाटक के पास दीपावली वाले दिन ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। बताया जा रहा है कि मेहता दो-तीन दिनों से मानसिक तनाव में थे। जिसके चलते ये खौफनाक कदम उठाया। इसको लेकर मृतक के बेटे कार्तिक मेहता ने कोटगेट थाने में मामला दर्ज करवाया है। वहीं गंगाशहर थाना इलाके के मोहतासराय में एक व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मोहतासराय क्षेत्र में नाले के पास रहने वाले फतह अली ने अपने घर में फांसी लगा ली। मृतक के पिता का आरोप है कि उनके पुत्र को उसकी पुत्रवधु प्रताड़ित करती थी, जिसके कारण उसने ये कदम उठाया। पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि फतह की पत्नी रोजाना झगड़ा करती थी और मरवाने की धमकी देती थी। इससे परेशान होकर फतेह ने आत्महत्या कर ली।

एसएचओ समरवीर सिंह ने बताया कि आत्महत्या के लिए मजबूर करने का केस दर्ज किया है। इधर श्री डूंगरगढ़ क्षेत्र में अलसुबह करीब 3.30 बजे एक युवक ने अपने घर के कमरे में ही फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। गांव बापेऊ निवासी 37 वर्षीय परमाराम पुत्र भंवराराम राईका ने कमरे में पंखे के हुक से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सेरूणा थाने के हैड कांस्टेबल महेश कुमार ने बताया कि परिजनों ने युवक के गत एक वर्ष से मानसिक रूप से परेशान होने की रिपोर्ट दी है। आज सुबह परिजन पांच बजे उठे तो युवक फंदे पर लटक रहा था। परिजनों ने उसे तुरंत उतारा और श्रीडूंगरगढ़ अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हथियार सहित युवक को पकड़ा

बीकानेर, (निसं)। फायरिंग करके फरार हुआ पांच हजार रुपए का इनामी बदमाश गंगाशहर पुलिस के हत्थे चढ़ गया। आरोपी मुरलीमनोहर मंदिर के पीछे, भीनासर निवासी रेवंतराम कुम्हार को पुलिस ने एक पिस्टल सहित गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत भी एक मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस को अवैध हथियार रखने के संबंध में सूचना मिली थी। जिस पर सब इंस्पेक्टर नगेंद्र सिंह मय टीम ने रामदेव नगर क्षेत्र के पानी के प्लांट के समीप एक ठिकाने से युवक को हथियार सहित पकड़ा। आरोपी रेवंत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में पता चला कि यह वही बदमाश है जिस पर पांच हजार का इनाम घोषित है। कुछ समय पहले आरोपी रेवंत ने सुजानदेसर निवासी अपने मामा के लड़के मोहन कुम्हार पर फायरिंग की थी। जिसके बाद आरोपी फरार हो गया था। पुलिस ने उस पर इनाम घोषित किया। पिछले कई दिनों में थानाधिकारी समर वीर सिंह की टीम उसे अहमदाबाद सहित कई जगह तलाशने गई, मगर वह नहीं मिला। पुलिस उसे बीकानेर से बाहर तलाश कर रही थी, इस बीच उसकी लोकेशन बीकानेर में ही आने लगी। पुलिस उसे पकड़ नहीं पाए, इसलिए वह नकाबपोश बनकर मोटरसाइकिल पर घूमने लगा। आरोपी ने बताया है कि वह मोहन को गोली मारने के बाद नागौर, अहमदाबाद, जयपुर सहित कई जगहों पर फरारी काट रहा था।

नशे की ओवरडोज से दस दिन में सात मौतें

श्रीगंगानगर/ केसरीसिंहपुर, (निसं)। जिले में नशे का प्रभाव बड़े शहरों से छोटे शहरों के रास्ते होकर गांवों और ढाणियों तक पहुंचकर जड़ें जमा चुका है। चिंता की बात यह है कि बीते 10 दिनों में नशे की ओवरडोज से 7 मौतें हो चुकी हैं। जिन लोगों की मौत हुई है, उनकी उम्र 18 से 32 साल के बीच है। सभी मृतक गरीब परिवार के सदस्य हैं और परिवार पर इन हादसों से दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

जानकारी के अनुसार यह स्थिति तब है जब जिला पुलिस हर रोज नशा बेचने वालों को पकड़ रही है। इसके बावजूद नशा बेचने और करने वालों में सुधार नहीं हो रहा। जिला पुलिस ने साल 2021 में नशा तस्करी के 86 मुकदमे दर्ज किए थे। इसमें 146 तस्करी के आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से डेढ़ किलो हेरोइन/स्मैक, 5 किलो अफीम, 49 कलो गांजा, 6 क्विंटल 72 किलो डोडा चूरा पोस्त तथा एक लाख 62 हजार 318 नशे की गोलियों को बरामद किया गया था। 30 अक्टूबर की शाम को हनुमानगढ़ रोड की हाई रेजीडेंसी निवासी 32 वर्षीय रोबिन की नशे की ओवर डोज से मौत हो गई। उसका शव रिद्धि-सिद्धि प्रथम से बरामद हुआ। मृतक की पत्नी सिमरन ने पुलिस को बताया कि उसका पति नशे का आदी था।

30 अक्टूबर को केसरीसिंहपुर थाना क्षेत्र के गांव मलकाना में एक युवक की नशे से मौत हो गई थी। केसरीसिंहपुर के वार्ड 16 में 1 नवंबर को 30 वर्षीय बंशीलाल नायक पुत्र लक्ष्मणराम की नशे की ओवरडोज से मौत हो गई। वह 31 अक्टूबर से गायब था। गोशाला के पास खाली भूमि में शव मिला। घटना स्थल पर इंजेक्शन पड़े थे। श्रीकरणपुर के वार्ड 6 का राहुल वाल्मीकि पुत्र शशि वाल्मीकि 24 अक्टूबर शाम से लापता था।

अगले दिन सुबह श्रीकरणपुर में गंदे पानी के गड्ढे के पास वह मृत मिला था। इसी के साथ राहुल वाल्मीकि की छाती पर इंजेक्शन पड़ा मिला। 26 अक्टूबर की शाम को वार्ड नंबर 8 के राहुल धानक (26) पुत्र राजेंद्र धानक की नशीले इंजेक्शन की ओवरडोज से मौत हो गई। घर के बाथरूम में ही अचेत मिला था। डॉक्टरों ने नशे की ओवरडोज से मौत होना बताया। 30 अक्टूबर को जिला मुख्यालय पर खेत्रपाल मंदिर के निकट 32 वर्षीय दिनेश कुमार पुत्र कृष्णलाल का शव मिला।

मृतक के भाई विपिन की ओर से मर्ग दर्ज की गई। युवक कैप्सूल का नशा करने का आदी था। अधिक खाने से मौत हो गई। एक नवंबर को डूंगरसिंहपुरा निवासी 18 वर्षीय प्रदीप पुत्र मघाराम मेघवाल की नशे की ओवरडोज से मौत हो गई। युवक को बेहोशी की हालत में गांव की गुवाड़ से जिला अस्पताल पहुंचाया। वह घर पर हेयर ड्रेसर का काम करता था।

कलेक्टर नमित मेहता ने परिवार संग वृद्धाश्रम में दीपावली मनाई

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला कलेक्टर नमित मेहता परिवार सहित दीपावली की खुशियां साझा करने के लिए मंगरोप रोड स्थित ओम शांति सेवा संस्थान के वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के बीच पहुंचे। आश्रम में जिला कलेक्टर ने बुजुर्गों के साथ दीपावली मनाई, उन्हें भोजन परोसा और उनके साथ समय बिताया। जिला कलेक्टर की यह पहल वृद्धजनों के लिए एक विशेष उपहार जैसी थी, जिसने उनके चेहरे पर मुस्कान ला दी।

जिला कलेक्टर नमित मेहता ने वृद्धाश्रम में लक्ष्मी पूजन भी किया। उन्होंने बुजुर्गों के साथ मिलकर दीप जलाए और प्रार्थना की। मेहता ने आश्रम के सभी वृद्धजनों और स्टाफ को दीपावली की शुभकामनाएं दी। यह एक अनोखा और यादगार पल था जिसने आश्रम के वातावरण को और भी पवित्र बना दिया।

जिला कलेक्टर नमित मेहता ने बुजुर्गों को भोजन परोसा।

इस अवसर पर, उन्होंने कहा, "आइए हम दीपावली के इस पावन अवसर पर वृद्धजनों के प्रति अपनी सेवा और समर्थन को बढ़ावा देने का संकल्प लें।" जिला कलक्टर ने बुजुर्गों के लिए खुशी का मौका बनाया।

ब्यूटी पार्लर मालकिन की हत्या का आरोपी फरार

जोधपुर, (कासं)। ब्यूटी पार्लर की मालकिन अनीता की हत्या की गुत्थी और उलझती जा रही है। हत्या के आरोपी की तलाश में पुलिस ने कईं जगहों पर छापेमारी की है।मगर वह चार दिन गुजरने के बाद भी पुलिस की पकड़ में नहीं आया है।मामले में प्रॉपर्टी डीलर और डॉक्टरों के शामिल होने की बात सामने आ रही है।

रविवार को अनीता का दुकान से निकल कर रिक्शे में बैठते हुए कह सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वह पीले सूट में हाथ में बैग लिए रिक्शे में बैठती नजर आ रही है। लाश के पास ये बैग पुलिस को बरामद नहीं हुआ। इससे पहले आए ऑडियो की पुष्टि अनीता के पति मनमोहन ने की है। इसमें सहेली सुमन कह रही है कि दीदी के पास ऐसा कुछ था जिसके कारण उनकी हत्या कर दी गई। फिलहाल मामले को लेकर पुलिस कुछ कहने से बच रही है। आरोपी गुलामुद्दीन फरार है जबकि उसकी पत्नी आबिदा परवीन को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया था।

31 अक्टूबर को पुलिस को जोधपुर के गंगाना में महिला शव जमीन में गढ़ा होने की जानकारी मिली थी। पुलिस ने गड्ढा खुदवाया तो महिला की लाश मिली। इस लाश को 6 टुकड़ों में काटा गया था। पुलिस ने पड़ताल की तो पास ही के घर में रहने वाले गुलामुद्दीन और उसकी पत्नी आबिदा पर शक गया। गुलामुद्दीन घर से फरार था और पत्नी से पूछताछ की तो लूट और हत्या के मामले का खुलासा हुआ। वहीं गुलामुद्दीन का भी सीसीटीवी फुटेज पुलिस के हाथ लगा है।

चलते-फिरते भंडारे में भक्तों ने सांवलिया सेठ की प्रसादी पाई

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलियाजी सेठ मंडफिया के दरबार में दीपोत्सव एवं अन्नकूट पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दीपावली पर्व पर शुक्रवार को मंदिर कार्यालय में पंडित विश्वनाथ आमेटा के मंत्र उच्चारों के साथ महालक्ष्मीजी की व भंडार की एवं वाहनों की पूजा-अर्चना की गई।

दीपावली पर्व पर मंदिर को रंग बिरंगी विद्युत चलित लाइटों से सजाया गया एवं मंदिर परिसर में दीप प्रज्ज्वलित किए गए। कस्बे में शनिवार को अन्नकूट पर्व पर सवेरे गांव के गणमान्य नागरिकों एवं मंदिर पदाधिकारियों की उपस्थिति में चंदा उगाही की गई। जिसमें परंपरा के अनुसार चलता फिरता भंडार ठेला गाड़ी में रखकर सभी मोहल्ले में घुमाया गया। यहां के स्थानीय निवासियों में भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के प्रति अटूट श्रद्धा है। इस चंदे उगाही में सभी धर्मों के लोगों बगैर भेदभाव के अपनी इच्छा अनुसार चंदा के रुपए भंडार में डाले। इस चंदे उगाई की पेटी को मंदिर कार्यालय में लाकर रुपयों की गणना की गई। मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया कि इस अन्नकूट चंदे की उगाई में एक लाख एक हजार 533 रुपए नगद प्रात हुए। इसके अलावा एक भक्त ने अपना नाम गुप्त रखकर अन्नकूट चंदे के नाम से ऑनलाइन 24 लाख रुपए दान किए। इसी दिन शनिवार दोपहर 3 बजे मंदिर से 3 किलोमीटर दूर गौशाला परिसर में गोवर्धन पूजा-अर्चना की गई।

ग्रामवासियों ने अन्नकूट चंदा राशि की गिनती की।

अन्नकूट एवं दीपोत्सव कार्यक्रम में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भैरूलाल गुर्जर, नवनियुक्त मुख्य निष्पादन अधिकारी प्रभा गौतम, मंदिर बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, मंडफिया पूर्व सरपंच हजारी दास वैष्णव, मंदिर बोर्ड सदस्य अशोक शर्मा, ममतेश शर्मा, संजय कुमार मंडोवरा, श्रीलाल पाटीदार, भादसोड़ा सरपंच एवं मंदिर बोर्ड सदस्य शंभू लाल सुथार, प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, सुरक्षा प्रभारी भेरू गिरी गोस्वामी, मंदिर के स्थाई कर्मचारी गुलाब सिंह राजपूत, कालू लाल तेली, लेहरी लाल गाडरी, दीपक तिवारी, रमेश मेघवाल सहित गांव के गणमान्य नागरिक एवं मंदिर कर्मचारी उपस्थित थे।

- **श्री सांवलियाजी सेठ मंडफिया के दरबार में दीपोत्सव एवं अन्नकूट पर्व मनाया**

दिवाली पर आतिशबाजी के कारण 50 से ज्यादा लोगों की आंखों की रोशनी गई

कोटा, (निसं)। संभाग में 150 करोड़ से ज्यादा की आतिशबाजी की बिक्री दुकानों पर हुई थी और जमकर लोगों ने आतिशबाजी की। ग्रीन के साथ-साथ भारी धूम धड़ाके और तेज आवाज वाले पटाखे बड़ी संख्या में चले। ऐसे में इनसे झुलसने के मामले भी बड़ी संख्या में आये। दूसरी तरफ आंख पर चोट लगने के भी करीब 50 से ज्यादा मामले कोटा संभाग के अस्पतालों में पहुंचे हैं। सर्वाधिक 20 मामले तो मेडिकल कॉलेज के एमबीएस अस्पताल में ही आए हैं जबकि शेष निजी और अन्य जिला अस्पतालों में पहुंचे हैं। इनमें कुछ की आंखों की रोशनी फिलहाल चली गई है।

मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग अध्यक्ष डॉ.अशोक मीणा का कहना है कि बीते तीन से चार दिनों में दिवाली पर पटाखे चलने की वजह से करीब 24 मरीजों की आंखों की परेशानी हुई है। यह सभी एमबीएस अस्पताल के नेत्र रोग विभाग में दिखाने के लिए पहुंचे थे। पटाखे जलाने की वजह से मरीजों को आंखों में सामान्य से गंभीर चोट आई है। इनमें अधिकांश मरीज की उम्र 10 से 22 साल के बीच हैं। ज्यादातर मरीजों को सामान्य चोट आई है लेकिन चार मरीजों को गंभीर चोट होने की वजह से उनको दिखना बंद हो गया था। डॉ.मीणा का यह भी कहना है कि इन मरीजों की रोशनी वापस लौटती है या नहीं यह रिकवरी पर ही निर्भर है। एक मरीज की रोशनी तो बढ़ गई है। डॉ. मीणा ने कहा कि ज्यादातर मरीजों का दवाई देकर इलाज किया जा रहा है। एक मरीज का पटाखे (रॉकेट) चलाने की वजह से कांच का टुकड़ा आंख में चला गया जिससे मरीज की आंख फट गई साथ में आंख की पलक भी कट गई और दिखना बंद हो गया। इसके लिए मरीज की आंख का ऑपरेशन किया गया। एक मरीज का पटाखे (अनार) चलाने की वजह से चेहरा झुलस गया है।

- **सर्वाधिक 20 मामले तो मेडिकल कॉलेज के एमबीएस अस्पताल में ही आए हैं जबकि शेष निजी और अन्य जिला अस्पतालों में पहुंचे**
- **'पटाखे जलाने की वजह से मरीजों को आंखों में सामान्य से गंभीर चोट आई है। इनमें अधिकांश मरीज की उम्र 10 से 22 साल के बीच हैं'**

सुवि नेत्र चिकित्सालय के निदेशक डॉ. सुरेश पांडेय का कहना है कि कोटा संभाग से उनके अस्पताल में पटाखे से आंखों में कई तरह की चोट लगने के करीब 12 मरीज आए हैं। इनमें भी अधिकांश बच्चे ही हैं। इनमें कॉर्निया या पारदर्शी पुतली पर जख्म बनना, आंखों में खून उतर आना, पलकों का जल जाना, पलकों या कॉर्निया पर पटाखों की राख चिपकना और आंखों में इन्फेक्शन के मामले हैं। इसके अलावा बारां निवासी 23 साल के युवक की आंख में पटाखा जाने की वजह से मोतियाबिंद भी बन गया। 12 साल की बालिका के पटाखे जलाते समय आंख में चोट लग गई जिसके चलते उसे भी मोतियाबिंद हो गया। अब उसकी रोशनी भी चली गई। ऐसे में करीब एक महीने बाद ऑपरेशन कर कृत्रिम लेंस का प्रत्यारोपण किया जाना है। सांगोद में 18 साल का युवक स्टील के लोटे में रखकर बम को जला रहा था। ऐसे में बम के फटने के साथ ही स्टील के लोटे के भी टुकड़े-टुकड़े हो गए। इस लोटे के स्टील के कई टुकड़े इस युवक के शरीर में भी घुस गए। कंधे में एक बड़ा स्टील का टुकड़ा घुस गया और काफी बड़ा कट कंधे पर लग गया है। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया जहां पर ऑपरेशन कर इस टुकड़े को बाहर निकाला है।

दो नाबालिग बच्चों का अपहरण का प्रयास

बीकानेर, (निसं)। शहर के नयाशहर थाना इलाके में दो नाबालिग बच्चों को किडनैप करने का मामला किया गया। जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है कि व्यासों के चौक से बिन्नाणी चौक की ओर अपने रिश्तेदार के यहां दीपावली रामा श्यामा करने जा रहे दो नाबालिगों को महिलाओं ने जबरन पकड़ लिया और अपने साथ ले जाने लगी। बच्चों के चिल्लाने पर महिलाएं भाग खड़ी हुई।

जानकारी मिली है कि लालाणी व्यास चौक निवासी केदार नाथ व्यास के पुत्र गिरिराज व विश्वम्भर व्यास के पुत्र गोविन्द अपने रिश्तेदार के यहां जाने को कहकर निकले। करीब आधे घंटे बाद दोनों घबराएं हुए घर आये और गुमशुम होकर कमरे में बैठ गये। काफी देर तक कुछ भी नहीं बोलने पर उनसे पूछताछ की तो उन्होंने सारा घटनाक्रम बताया कि बिन्नाणी चौक जाने वाली गली में कुछ महिलाओं ने उन्हें पकड़ लिया और अपने साथ जाने के लिये क हा। मना करने पर डराने लगी। इस दौरान गोविन्द ने महिलाओं से कहा सॉरी हमसे क्या गलती हुई है जो आप हमें ले जा रहे हो।

काफी देर बहसबाजी के बाद एक मोटरसाइकिल सवार उधर से निकलता देख दोनों बच्चे चिल्लाये। जिसके बाद महिलाएं घबरा कर वहां से भाग गई। इस घटनाक्रम को लेकर बच्चों के पिता ने नयाशहर थाने में परिवाद दिया है।

किडनैपिंग के इस प्रयास में बच्चों की ट्यूशन पढ़ाने वाली मैडम की सीख काम आई। गिरिराज ने बताया कि उनकी ट्यूशन पढ़ाने वाली मैम ने कहा था कि इस तरह कोई अंजान व्यक्ति तुम्हें पकड़ ले या तुम्हारे को जबरदस्ती उठाने का प्रयास करें तो जोर जोर से चिल्लाना ताकि आसपास के लोगों को इसका पता चल सके और तुम उन अंजान लोगों के चुंगल से बच सको। मैम की बताई इसी बात को याद करते हुए गिरिराज जोर जोर से चिल्लाया। जानकारी के अनुसार पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस प्रकार के संदेश वायरल किये जा रहे है। जिसमें आमजन को सतर्क रहने के लिये कहा जा रहा है कि कुछ महिलाएं सामान बेचने के बहाने शहर में घूम रही है। जो मौके का फायदा उठाकर बच्चों को चुराने तथा घर में घुसकर तांत्रिक विद्या के जरिये ठगी का काम कर रही है।

- **दो नाबालिगों को महिलाओं ने जबरन पकड़ लिया और अपने साथ ले जाने लगी**
- **बच्चों के चिल्लाने पर महिलाएं भाग गई, बच्चों के पिता ने नयाशहर थाने में परिवाद दिया**

भाईदूज का पर्व उत्साह के साथ मनाया, बहनों ने भाई की सलामती की दुआ मांगी

अजमेर, (कासं)। भाई-बहन के प्यार का प्रतीक भैया दूज का पर्व रविवार को बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान भाइयों के माथे तिलक से सजे दिखाई दिए। दिनभर बहनों का अपने भाइयों के यहां टीका लगाने के लिए पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। माथे पर टीका लगाते हुए बहनों ने अपने भाइयों की सलामती दीर्घायु की दुआ मांगी। वहीं बाजारों व बस स्टैंड पर महिलाओं की चहलकदमी देखने को मिली।

रविवार सुबह से ही क्षेत्र में बहनों ने पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ अपने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी दीर्घायु की कामना की। छोटी बहनों में भी पर्व को लेकर खासा उत्साह था। उधर दूरदराज के क्षेत्रों से अपने भाइयों को तिलक लगाने के लिए आने वाली बहनों के चलते सुबह से ही बसों में काफी भीड़ थी। बहरहाल सुबह से ही दुकानों पर खरीदारी करने के लिए महिलाओं और युवतियों का तांता लगा रहा। मिठाइयों से लेकर आकर्षक तोहफों की खरीददारी की गई। बहन-भाई के प्रेम को दर्शाता भैया दूज का त्योहार शहर के साथ साथ जिलाभर में धूमधाम से मनाया गया।

भैयादूज पर भाई का तिलक करते हुए बहन।

भाई-बहन के अटूट प्रेम को सूत्र में पिरोते इस त्योहार को जितना उत्साह बहनों में दिखा उतने ही भाई भी उत्साहित दिखे। भाइयों ने भी अपनी बहनों को स्नेह स्वरूप उपहार दिए। बाजार में महिलाओं और युवतियों ने जमकर खरीदारी की। मंदिरों में इस मौके पर सुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए तांता लगा रहा। सबसे ज्यादा भीड़ मिष्ठान भंडारों पर देखी गई। मौके का फायदा उठाते हुए दुकानदारों ने मिठाईयों के भाव बढ़ा दिए। नारियल के रेटों में भी खासा इजाफा देखने को मिला। नारियल (गोला) तीन सौ रुपये प्रति किलो से बढ़कर 400 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिका। भैया दूज में बहनों द्वारा नारियल के साथ मिष्ठान देने का चलन है। फलों के रेट भी आसमान छूते दिखाई दिए। भैया दूज के पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सजग रहा। बाजारों में जाम न लगे और कोई घटना नहीं हो इसके लिए इसके लिए पुलिसकर्मियों की बाजारों व प्रमुख स्थानों पर तैनाती की गई। साथ ही काफी संख्या में महिला पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई।

- **दुकानों पर खरीदारी करने के लिए महिलाओं और युवतियों का तांता लगा रहा**
- **मंदिरों में पूजा-के लिए भीड़ उमड़ी**